

吸引万民归向神

我若从地上被举起来，就要吸引万人归向我。【约翰福音12:32】

1=C $\frac{4}{4}$ ♩=80

词曲: 信义圣乐

| | | | | | | | | | | | | | | | |
|-------|------|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|---|---|---|---|--|
| : 5 3 | 2 3 | 2 | 3 2 | 1 6 | 0 | 1 1 | 1 3 | 2· | 5 | 6 | - | - | - | | |
| 5 3 | 2 3 | 2 | 6 | - | - | 0 | 1 1 | 1 6 | 1 | 5 | 3 | - | - | 0 | |
| 遥想 | 那远 | 古 | 时, | 上帝 | 创造 | 天 | 与 | 地, | | | | | | | |
| 始祖 | 在伊 | 甸 | 园, | 纯真 | 无邪 | 如 | 孩 | 童, | | | | | | | |
| 有一 | 天古 | 蛇 | 出, | 花言 | 巧语 | 诱 | 始 | 祖, | | | | | | | |
| 多少 | 次悖 | 逆 | 神, | 亚当 | 后裔 | 难 | 守 | 信, | | | | | | | |
| 主耶 | 稣降 | 世 | 上, | 神的 | 爱子 | 成 | 凡 | 人, | | | | | | | |
| 5 3 | 2 3 | 2 | 6 | - | - | 0 | 1 1 | 1 3 | 2 | 1 | 6 | - | - | 0 | |
| 说有 | 光,就 | 有 | 光, | 道生 | 万物 | 真 | 神 | 奇。 | | | | | | | |
| 天蓝 | 蓝,草 | 青 | 青, | 泉水 | 叮咚 | 如 | 歌 | 声。 | | | | | | | |
| 违禁 | 令,吃 | 禁 | 果, | 想知 | 善恶 | 如 | 天 | 父。 | | | | | | | |
| 多少 | 次离 | 弃 | 神, | 偏行 | 己路 | 易 | 走 | 迷。 | | | | | | | |
| 发真 | 光,讲 | 真 | 道, | 救死 | 扶伤 | 行 | 神 | 迹。 | | | | | | | |
| 1 1 | 2 2· | 1 | 6 | - | - | 0 | 5 3 | 2 1 | 2 5 | 5 3 | - | 0 | 0 | | |
| 让海 | 里有 | 鱼 | 跃, | 让天 | 空有 | 鸟 | 飞, | | | | | | | | |
| 管理 | 着果 | 满 | 园, | 享受 | 着花 | 香 | 浓, | | | | | | | | |
| 自以 | 为有 | 智 | 慧, | 从此 | 后躲 | 避 | 神, | | | | | | | | |
| 发洪 | 水,洗 | 罪 | 孽, | 降天 | 火,除 | 恶 | 人, | | | | | | | | |
| 为世 | 人,饮 | 苦 | 杯, | 十架 | 上,舍 | 己 | 身, | | | | | | | | |
| 5 3 | 2 1 | 0 | 3 2 | 1 6 | 0 | 1 1 | 1 3 | 2 | 1 | 1 6 | - | 0 | 0 | | |
| 照袖 | 形象, | 造男 | 造女, | 吹入 | 灵气 | 最 | 珍 | 贵。 | | | | | | | |
| 良辰 | 美景, | 赏心 | 悦目, | 有神 | 同在 | 乐 | 融 | 融。 | | | | | | | |
| 痛失 | 乐园, | 罪入 | 人心, | 一失 | 足成 | 千 | 古 | 恨。 | | | | | | | |
| 上帝 | 公义, | 又存 | 怜悯, | 不愿 | 看着 | 人 | 沉 | 沦。 | | | | | | | |
| 担当 | 众罪, | 死后 | 复活, | 吸引 | 万民 | 归 | 向 | 神! | | | | | | | |
| 5 3 | 2 1 | 0 | 3 2 | 1 6 | 0 | 1 1 | 1 3 | 2· | 5 | 6 | - | - | - | | |
| 担当 | 众罪, | 死后 | 复活, | 吸引 | 万民 | 归 | 向 | 神! | | | | | | | |